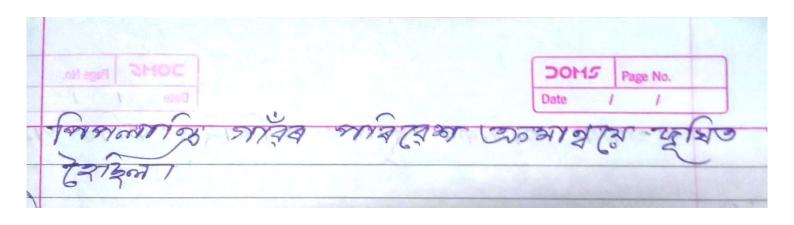
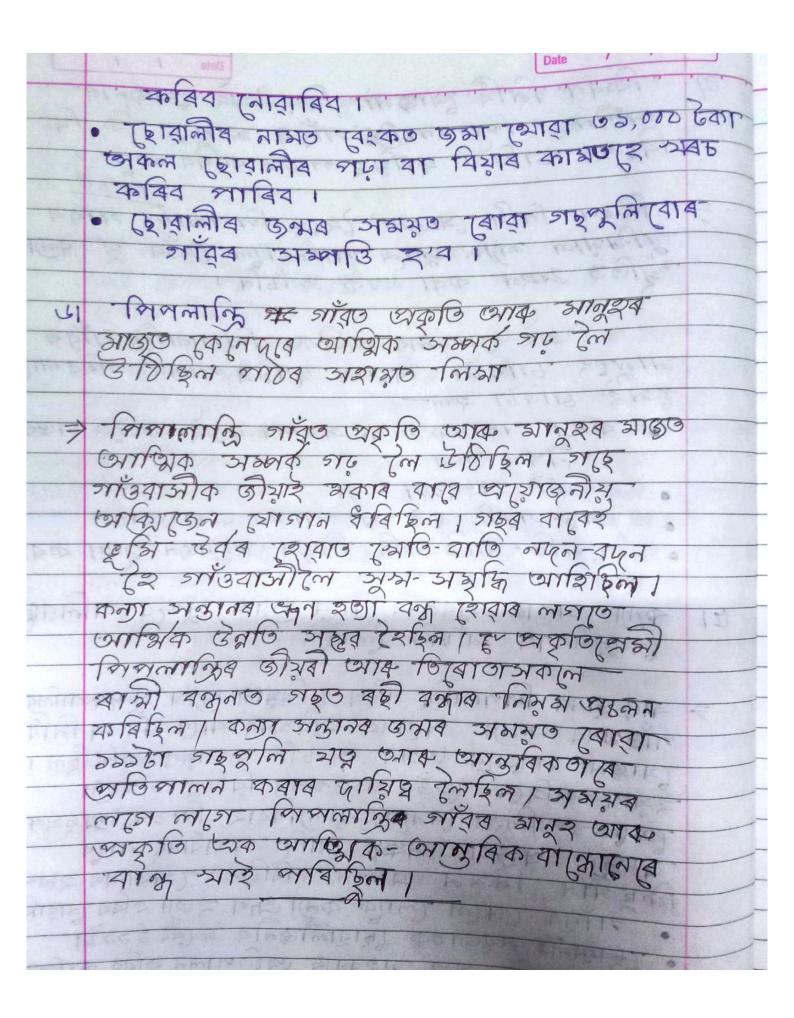


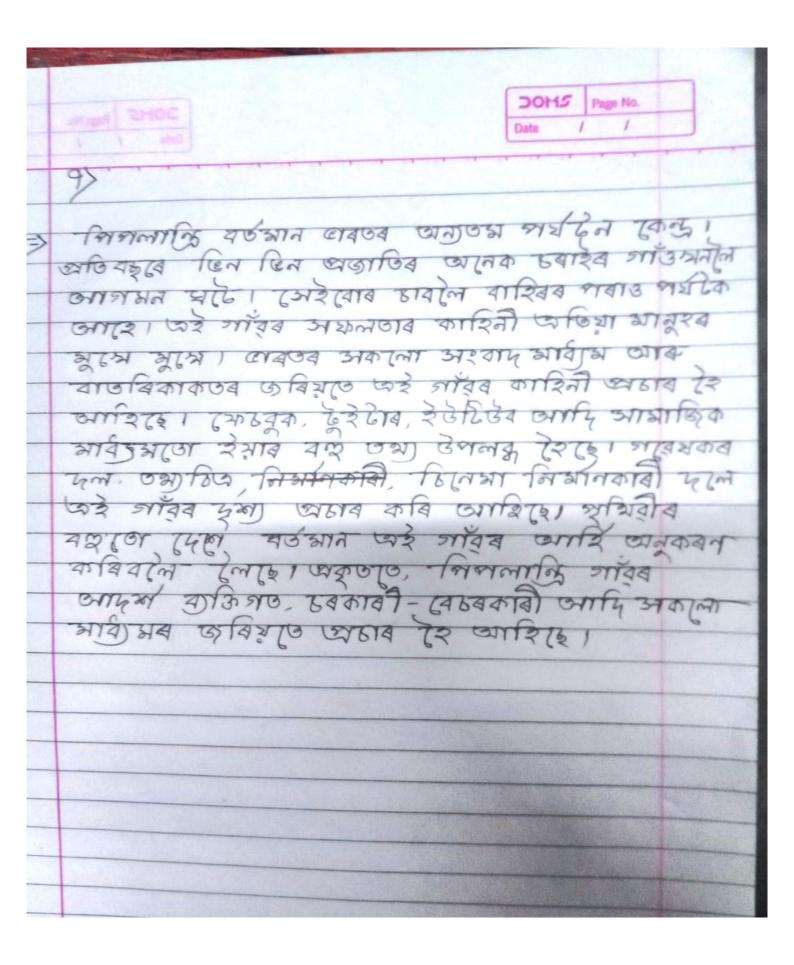
2.115.44 Sec. 67 88 bluster Helbick bib of 616 हे बाबी-यन्नेनव फिना जावब दुरावानी जाक अदिलाअकाल महुछ बही वाद्या। एउँ लाकव अहिलिए विद्याअ छनुअबि देश्रव दीवा गढ़ लाक आन्य अञ्चल लिक गढ़ीब २३। EN IMPERIE BEINDIE PERETE COMMISSION HARITMINITONO 181 > किया निर्वि स्याक्ता'य अग्यं आत्रक्त यान प्रभागित गाँव दुअर्अअभव अभिशाल मा। अन्तव भानिवाल। Disous Exemplish DID 2 BARLIN 2N) traff 16 भिवेरहित साह माह वर्षे द्वार STALLINE 知片 李 त्राता ज्ञान आनुश्व अञ्चा निम्मानि शाँव आनु दि एउँव क्यु छिछ वर्शन ति शक्य नि दिशामन कर्व। निम्मान्द्र भार्वेव सिव्हाल किय द्विष र्श्वाद्रम ? न दकाता अभन ठारेव लाबिवन उनने ठाउँछ वअवाअ कबा आतूर्व कार्यक्तालव उलवा निर्देश करि। मिमला कि आउँ यन आकृष्टिक अञ्चद् ए हर्की। रेशाब य्रानिष नुलोवा डेन्नड झानव आर्येल लाग्यक सात नांस्क्राम स्मिनिक यर्न स्वम्हें उपन नगढ कि विद्या । किन्दु य व आधिक हिं उउ एक अभिष उनव छात्र एरंग्व अधि कवा वात्

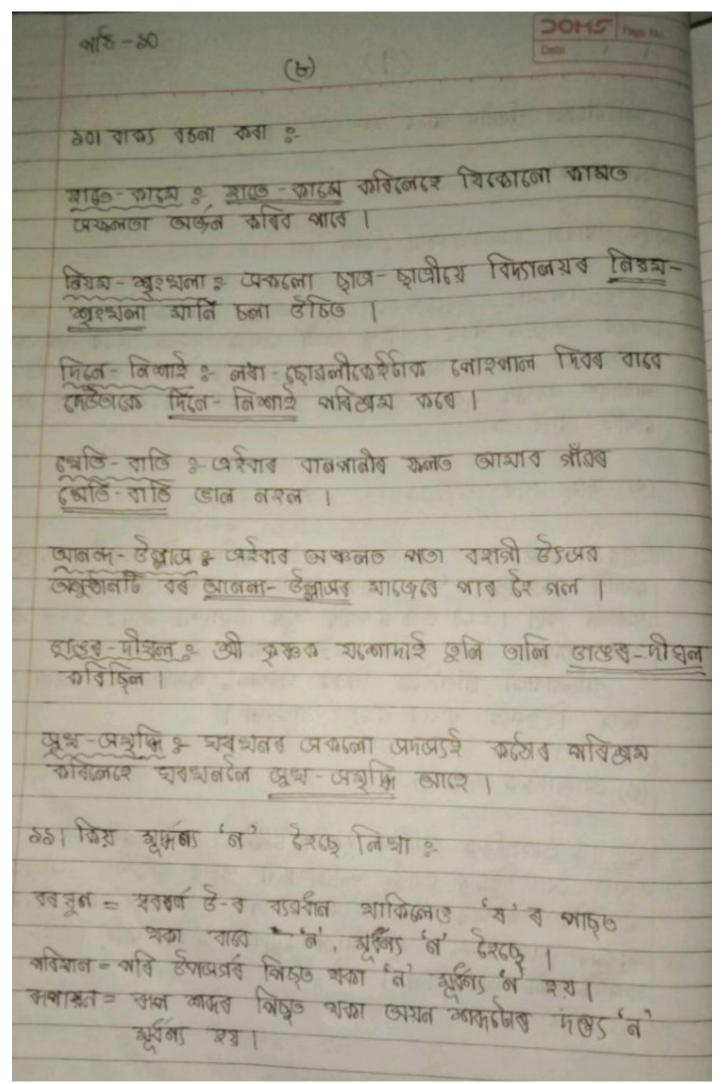


न्यास अल्ब क्यालेदाल क्याला कि भावन व्यक्ति वासिन् एडँ जनवाकी भावें अही, अरुआक्षी ज्यांक खाव खावा हिए। जो क्याम अवस्य मार्गलयानय क्रमाय अग्रम् विभागान्ति CULLE CELLED भारत लावका लाखि द्वाहतीय लगाहेला। भविद्वा प्राह्मन, मानीव नारं नि. निरुम रेवममा ज्यापि वळ्ला अभागा भाउँभत्छ विवाक कविहिन। अकक्षान गाउँभत् आर्म्कावछ हुव हेमिद्देल । मालिसाल भर्त्व युम्प्रियाल रेव प्यका एछव कियम लाध्य कना अनुगम अनुगम क्रीस्थिक क्रमानि कार्या नाइ प्रांते तुवाणन यादाव उलाब 'नियंग निर्वि (याज्या' अर्ग कि देशाव अर्व नि कका अस्त्राय होता है, देव 52 है। अहमा प्राक्षाय कवार निमंद्र वर्गि रिपृष्टिल । देशाव वर्गद्रिष उ भामी अद्वक्षन, नावी १००७काम प्रकार प्रकार नात नार्य याला विवाद अकछा जगाद (अम्प्राव अर्थ) काब 703 भाषामान याजायमा अलान मपुनिक की विक कार्यिता। यडेशान रिम्मलाने व्यव्पर गर्म क्राम्य प्रियान कामन जामन माउँ, परिन हम (380) शरिवर्यकात छाछ अङ्ग्राम्बर् भाउँ याजीव अछि दाश्वज्ञा, अकृष्णिकार सुम्ब यदेश केंद्री क्रिका मिर् मिर्गिक निरम् ने रिक्री

8) किंबन निर्मि (शाक्रमा कि? किंदे हिगाक्रमाव क्रिया क्रियालाकि गाँवव भाग दि कि नेक विस्था हा बिटा दा प्रिय भानन का बेव नाम ? 'किवन निर्मि (याछमा'दिश्ह निमानी नार्वि अभियान क्याम अवस्य सामिता ल एउँव द्या कराव स्मृतिक एमश्न कवा एक छाँछिन किरे ह्याक्रमाब अधीमा निम्मानिक भारतिब आमुद्द छाबिटा विस्थित जातिष्ठ मानत वाहित नाष्ट्रा द्रअंडे हार्विटा राल-कत्रा असामक ल'वा असामस पृष्ठि डामित डाप्स-किया करा भागी अर्बक्रम कबा • अठ्- अट्रिस करे प्राविधालन कवा जाक • द्रभेषि-वाणि किंब निष्कृष व्यायाष्ठ्रम व्यवन कवा। ए। क्ना अनुनि अवकाव वाद आाभ अल्व नानितान दिन्दिवनव व्याँ हित र्लि हिल ? 🗦 बाज भारत निम्नानि गाँव अभिशास मा। अन्ति मानिवास गाँउ अतव कता। असामव अवे आव वाद किवन निर्वि त्राज्ञा नाम्ब कश्चन व्याप्ति कलाय्न कविष्ति। देशाब यादिष एउँ भाउँ अतब विषित्र अञ्चला (मात- क्र लिएम दियश), वालाविवार, क्रिक्सा, अष्यन, श्राष्ट्रा, श्रमुठा, अक्ष्य णापि अञ्चावानव् वार्व किष्ट्रभान भिश्व व्यान्त किष्ट्रिन। एअरेषाब २%-• गाँव्व काता त्लाक कमा स्नन रजा किव तावाविव। • दिन्याली नव्छाउक हिन्याली छनीय प (बर ३५० हा नम्त्रील यश्र अश्काब व्यक्तिमान्तर कविव नर्भितः। • काता हि इति कि का उक्षाव लवा यकिए कविव तिर्वाविव। • काता लिबिक्वि ए इत्तानीय याना विवाद अभाग







(50) ১২। ভন্তৰ আন্বোৰৰ অভিটোৰ একানিকৈ মেমাৰ্থক অবন নিমাঃ युक = युक्रि ৰায়ু = বতা হ বৃহ্ণ = ভাত্তৰ भानी = छल अर्थ = देख्य क्रिक = संत्रव রাত্ত = প্রাম २०। तथ्य द्वारा स्थान त्रिया स्थान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष অভি 2 অভিদান অধি = ভাপিকাৰ हिना = डिनकाव ভাৱ = ভাৱৰোৰ্থ वृष = द्वमकात